পাঠ 22
पाठ

সাক্ষরতা অভিযানের উদ্দেশ্যে একটি সভা

সভাপতি : যখন আমরা বয়স্ক শিক্ষাকেন্দ্র প্রথম শুরু করি, তখন আমাদের সদস্য সংখ্যা ছিল মোট ঔজন। আজ পাঁচ বছর পরে আমাদের সদস্যের সংখ্যা বেড়ে দাঁড়িয়েছে বাষট্টিজন। আমাদের এলাকায় আমরা তিনটি শিক্ষাকেন্দ্র স্থাপন করেছি।

১ম সদস্য: কিন্তু পাশের গ্রাম রঘুনাথপুরে এম্প পাঁচ বছরে সাক্ষরতার হার তুলনায় অনেক বেড়েছে। যে লক্ষ্যে পৌছবার কথা আমরা কি সেম্প লক্ষ্যে পৌছতে পেরেছি।

সভাপতি : আমাদের সাক্ষরতার হার প্রায় সত্তর শতাংশ। ঐা কম মনে হতে পারে। কিন্তু যারা আমাদের এখান থেকে শিক্ষালাভ করেছে তারা সামাজিক উন্নতি সম্পর্কে যথেষ্ট সচেতন।

साक्षरता अभियान के लिए एक सभा

सभापति: जब हमने प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र पहले शुरु किया था तब हमारे सदस्यों की कुल संख्या केवल आठ ही थी। आज पाँच साल के बाद हमारे सदस्यों की संख्या बढ़कर बासठ हो गई है। अपने इलाके में हमने तीन शिक्षा केन्द्र स्थापित किए हैं।

पहला : किंतु पास के गाँव रघुनाथपुर में

सदस्य इन पाँच वर्षों में साक्षरता की दर तुलनात्मक दृष्टि से बहुत बढ़ गयी है। जिस लक्ष्य तक पँहुचने की हमारी संकल्प था क्या हम वहाँ तक पहुँच पाए हैं?

सभापति: हमारी साक्षरता की दर ७०% हैं। यह कम लग सकती है। किंतु जिन्होंने हमारे यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर उन्नति की है वे समाज के विषय में बहुत जागरूक हैं।

২য় সদস্য: আমরা যত বেশী শিক্ষা কেন্দ্র খুলতে পারব তত বেশী লোক সাক্ষর হতে পারবে।

সভাপতি :নতুন কেন্দ্র খুলতে হলে আমাদের সদস্যের সংখ্যা বাড়াতে হবে। সেম্প সঙ্গে বাড়াতে হবে শিক্ষকের সংখ্যাও। যে অনুপাতে কেন্দ্র বাড়বে সেম্প অনুপাতে অর্থের ব্যবস্থা করতে হবে। এর জন্য সকলকেম্প উদ্যোগী হতে হবে। বিশেষ করে অর্থ সংগ্রহের জন্য সকলকে সক্রিয় হতে হবে।

৩য় সদস্য:আমার একা প্রস্তাব আছে। যাদের জন্যে সাক্ষরতার এম্প কর্মসূচী তাদেরকেও আমাদের এম্প অভিযানে সামিল করা চাম্প। তাতে দুা লাভ হবে। অর্থের ব্যবস্থাও হবে আর তারা এম্প কাজা নিজেদের বলেম্প মনে করবে।

১ম সদস্য: অর্থের ব্যবস্থা কি করে হবে?

৩য় সদস্য:যে সব সংস্থার কাছ থেকে আমাদের শিক্ষাকেন্দ্র অনুদান

दूसरा : हम जितने अधिक शिक्षा केंद्र
सदस्य खोलेंगे उतने ही अधिक लोग साक्षर हो सकेंगे।

सभापति: नये केंद्र खोलने के लिए हमें अपने सदस्योंकी संख्या बढ़ानी होगी। साथ ही शिक्षकों की संख्या भी बढ़ानी होगी। जिस अनुपात में केंद्र बढ़ेंगे उसी अनुपात में अर्थ की व्यवस्था भी करनी पड़ेगी। इसके लिए सभी को प्रयत्न करना पड़ेगा। विशेष रूप से धन संग्रह के लिए सभी को सक्रिय रहना होगा।

तीसरा : मेरा एक प्रस्ताव है। जिनके लिए
सदस्य साक्षरता की यह कार्यसूची है उनको भी हमें इस अभियान में शामिल करना चाहिए। इससे दो लाभ होंगे। धन की भी व्यवस्था होगी और वे लोग भी इसे अपना ही काम जानने लगेंगे।

प्रथम : धन की व्यवस्था कैसे होगी?
सदस्य

तीसरा : जिन संस्थाओं से हमारा शिक्षाकेंद्रों
सदस्य अनुदान पाता है, उन सब संस्थाओं में हमें साक्षरता का प्रसार करने के लिए कुछ शिक्षकों

পাচ্ছে সেম্পসব সংস্থায় আমাদের সাক্ষর করতে কিছু শিক্ষক নিয়োগ করতে হবে। তাদের পাওয়া বেতন থেকে কিছু ৗাকা চাঁদা হিসাবে সংগ্রহ করে কেন্দ্রের কাজে লাগানো হবে।

১ম সদস্য : এম্প প্রস্তাবে কি সকলে রাজী হবেন?

সভাপতি : নিশ্চয় হবেন। যত ৗাকা ওরা পাবেন তার খুব সামান্য অংশ চাঁদা হিসাবে নিলে কারোর আপত্তি থাকবে না। এখন আর আলোচনা নয়। আগামী রবিবার সব সদস্যের কাছে এম্প প্রস্তাব রাখা হবে। তাহলে আজকের সভা শেষ করা যাক।

की नियुक्ति करनी होगी। उनके दिए गए वेतन में से कुछ रुपए चंदा प्राप्त कर उसे साक्षरता केंद्रों में लगाना होगा।

पहला सदस्य : क्या इस प्रस्ताव पर सभी लोग सहमत होंगे?

सभापति : ज़रूर होंगे। जितने रुपये उनको मिलेंगे उसका कुछ भाग चंदे के रूप में लेने पर किसी को आपत्ति नहीं होगी। अब और विचार विमर्श नहीं करना है। अगले रविवार सभी सदस्यों के सामने यह प्रस्ताव रखा जाएगा। तो आज की सभा समाप्त की जाए।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
সাক্ষরতা	साक्षरता
সদস্য	सदस्य
সক্রিয়	सक्रिय

বাষট্টি	बासठ
পাশের	पास के
বেড়েছে	बढ़ा है
লক্ষ্যে	लक्ष्य में
পৌঁছবার	पहुँचने की
সত্তর	सत्तर
শতাংশ	शतांश
যারা	जो लोग
শিক্ষালাভ	शिक्षालाभ
সাক্ষর	साक्षर
বাড়াতে	बढ़ाना
শিক্ষকের	शिक्षक का
অনুপাতে	अनुपात में
অর্থের	अर्थ का
সংগ্রহের	संग्रह का
যাদের	जिसके लिए
কর্মসূচী	कार्यसूची
তাদেরকে	उन लोगों को
আমাদের	हम लोगों को
সংস্থার	संस्था का
অনুদান	अनुदान
নিয়োগ করা	नियुक्त करना
সামান্য	सामान्य
আপত্তি	आपत्ति

অভ্যাস

I. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলি থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

1. যিনি এসেছিলেন _____ আমার বন্ধু। (তিনি, সে তারা)
2. যাকে এম্প বম্পা দেবো ভেবেছিলাম _____ দেখতে পেলাম না। (তার, তিনি, তাকে)
3. যেদিন বৃষ্টি হয় _____ ঠাণ্ডা পড়ে। (সে, সেদিন, দিনে)
4. যে এসেছিল _____ আমি চিনি না। (সে, তার, তাকে)
5. যার কথা ভাবছিলাম _____ এসেছে। (সে, তার, তাকে)

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(তাদের, ততক্ষণ, ততগুলো, তত, সে)

1. যে প্রথমে আসবে _____ ঐা পাবে।
2. যতগুলো আপেল আপনি চান _____ নিতে পারেন।
3. যতক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকবেন _____ কষ্ট পাবেন।
4. রাস্তায় যে ছেলেগুলো খেলছে _____ সবাম্পকে আমি চিনি না।
5. মেয়েরি যতরূপ _____ গুণ।

III. উদাহরণ অনাসারে দুটি বাক্যকে একটি বাক্যে পরিণত করুন।

উদাহরণ : ও আসছে। ও আমার বন্ধু।

যে আসছে সে আমার বন্ধু।

1. এম্প বম্পগুলো দেখছেন। এগুলো লাম্পব্রেরী থেকে এনেছি।
2. ঐ লোকি কাজ করছে। লোকিরি ভাল স্বভাব।
3. ঐা বিশ্ববিদ্যালয়ের খেলার মাঠ। আমি এখানে ব্যাডমিণ্টন খেলি।
4. ওনাকে কাগজা পাঠিয়েছিলাম। উনি আমার শিক্ষক।
5. বৃষ্টি পড়বে। গাছগুলি ভাল হবে।

IV. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে নিচের বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. যাকে দেখেছেন _____ চিনতে পারবেন?
2. যত পড়বেন _____ শিখবেন।
3. যে গানা শুনলাম _____ খুব সুন্দর।
4. আমার কাছে _____ আসে তদের আমি ফেরাম্প না।
5. তিনি _____ গেছেন সেখানেম্প অভিনন্দিত হয়েছেন।

V. অনুচ্ছেদি পড়ে এমন পাঁচি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিস্তৃত অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

দেববাবু একজন আদর্শ শিক্ষক। তিনি নানা স্থানে ঘুরে ঘুরে গরীব ছাত্র সংগ্রহ করেন এবং তাদের শিক্ষা দেন। যদিও ছাত্রদের এক অংশের পিতামাতা আপত্তি করেন। কিন্তু তাও তাকে কেউ তার কাজ থেকে বিরত করতে পারে না, এম্প শিক্ষার কাজে তিনি নিজেকে নিয়োগ করেছেন।

বিস্তৃত অর্থ :

1. শিক্ষা দান করেন যিনি।
2. খণ্ড।

3. নিযুক্ত করা।
4. অমত করা।
5. একত্রিত করা।

VI. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি একে অপরের বিপরীত শব্দ।

আমাদের দেশের নিরক্ষরতা দূর করতে হলে, প্রথমেপ একটি লক্ষ্য স্থির করে নিতে হবে। তারপর সমস্ত শিক্ষিত মানুষকেপ সক্রিয় হতে হবে। প্রতিটি শিক্ষিত মানুষকেপ সক্রিয় হতে হয়। প্রতিটি শিক্ষিত মানুষ যদি প্রতি একটি নিরক্ষর মানুষকে সাক্ষর করতে পারে, তবে সাক্ষরতার হারপ শুধু বাড়বে না, দেশের মানুষের মধ্যে সচেতনাও বাড়বে। এপ কাজে কারোর আপত্তি থাকা উচিৎ নয়। তাপ যারা অলক্ষ্যে ছিলেন তারাও সহযোগিতা করতে এগিয়ে এসেছেন। এখন আর নিষ্ক্রিয় হয়ে থাকার দিন আর নেপ। এপভাবেপ ধীরে ধীরে নিরক্ষরতার হার কমবে।

পড়ে বুঝুন

কন্যাকুমারী ভ্রমণ কন্যাকুমারী ভ্রমণ

কন্যাকুমারীর সমুদ্রের ধারে বেড়াতে খুব ভাল লাগে। যে দিকে তাকানো যাক না কেন, শুধু জল আর জল। আমরা যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলাম, সেদিন ছিল পূর্ণিমা। পূর্ণিমার রাতে সমুদ্রের ধারে বালি চিক্ চিক্ করছিল। কন্যাকুমারীতে তিনটি সমুদ্র --- বঙ্গোপসাগর, আরব সাগর ও ভারত মহাসাগর এক সঙ্গে মিশেছে। কন্যাকুমারী ভারতবর্ষের শেষ প্রান্তে এপ কথা মনে হলেপ অদ্ভুত অনুভূতি হয়। সমুদ্রের ধারে যতক্ষণ দাঁড়িয়ে ছিলাম ততক্ষণ ভারতবর্ষের মানচিত্র মনে পড়ছিল। আর মনে পড়ছিল তাঁদের কথা, যাঁরা এপ ভারতবর্ষের স্বাধীনতার জন্য প্রাণ দিয়েছিলেন। এপ

কন্যাকুমারীতে সমুদ্রে সাঁতার কেটে স্বামী বিবেকানন্দ একটি শিলার ওপর উঠেছিলেন এবং সেখানে ধ্যান করেছিলেন। যে শিলার ওপর তিনি ধ্যান করেছিলেন, সেম্প শিলার নাম বিবেকানন্দ শিলা। এখন সেখানে একটি সুন্দর স্মৃতি মন্দির তৈরী হয়েছে। ছোট লঞ্চে করে সেখানে যাওয়ার ব্যবস্থা আছে। আমি অনেকবার কন্যাকুমারী গিয়েছি। যতবার গিয়েছি ততবারম্প এম্প একম্প অনুভূতি হয়েছে।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
সমুদ্রের	समुद्र का
পূর্ণিমা	पूर्णिमा
বালি	बालु
মিশেছে	मिला है
অদ্ভুত	अद्‌भूत
অনুভূতি	अनुभूति
যতক্ষণ	जितनी देर
ততক্ষণ	उतनी देर
স্বাধীনতা	स्वतंत्रता का
সাঁতার	तैरना
যতবার	जितना बार
ধ্যান	ध्यान

অভ্যাস

I. নীচের দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. লেখক যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলেন সেদিন কি ছিল?
2. কন্যাকুমারীতে কোন্ কোন্ সমুদ্র এক সঙ্গে মিশেছে?
3. সমুদ্রের ধারে যখন লেখক দাঁড়িয়ে ছিলেন তখন তাঁর কি মনে হচ্ছিল?
4. স্বামী বিবেকানন্দ কন্যাকুমারীতে কোথায় ধ্যান করেছিলেন?
5. স্বামী বিবেকানন্দ যেখানে ধ্যান করেছিলেন সেখানে কেমন করে গিয়েছিলেন?

II. অনুচ্ছেদটি পড়ে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক শব্দ।

আমরা সবাই মিলে একবার সমুদ্র দেখতে গিয়েছিলাম। যেখানে গিয়ে আমরা খুব মুগ্ধ হয়েছিলাম। সেখানে একদিকে সাগর আর একদিকে বিরাট পাললিক শিলার একটি পাহাড়। সমুদ্রের দিকে তাকালে শুধু নীল আর নীল, মনে হয় আকাশ আর সমুদ্র এক জায়গায় মিলেছে। আমরা সমুদ্রের প্রান্তেই একটা পাথরের বাড়ীতে ছিলাম। জায়গাটা খুব সুন্দর, কারণ এখানে এখনও পর্যটকের দৃষ্টি পড়েনি।

III. হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

কারো পক্ষেই কোনো কাজ করা অসম্ভব নয়। যদি কেউ চায় তবে সে সবরকম অসম্ভবই সম্ভব করতে পারে। যতক্ষণ পর্যন্ত কারোর মধ্যে কিছু করার মত আশা আকাঙ্খা থাকে ততক্ষণই সে যে কোনো প্রতিকূল পরিবেশে বেঁচে থাকতে পারে। যারা জীবনের সবরকম আশা ত্যাগ করে হতাশ হয়ে যায়, তারাই জীবনযুদ্ধে পরাজিত হয়ে যায়। তাই বাংলায় একটি প্রবাদই আছে, যতক্ষণ শ্বাস, ততক্ষণ আশ। অর্থাৎ যতক্ষণ শ্বাস চলবে, ততক্ষণই আশা থাকবে। জীবনে কেউ একবার অসফল হলে, যদি সব আশা ত্যাগ করে হতাশাগ্রস্থ হয়ে পড়ে, তবে সে কখনই এগোতে পারবে না। সকল হতাশা কাটিয়ে যে কাজ করা হয় সেটা সফল হবেই। তাই সকল প্রতিকূল অবস্থার সঙ্গে লড়াই করার মত ক্ষমতা ও মানসিক শক্তির দরকার তবে যা চাওয়া যায় তাই পাওয়া যাবে।

IV. বাংলায় অনুবাদ করুন।

निरक्षरता का अभिशाप

यदि साक्षरता वरदान है तो निरक्षरता अभिशाप है। समाज सेवा के क्षेत्र में निरक्षर जनों को साक्षर करना सब से प्रमुख कार्य है। यदि हम किसी को अपने प्रयत्नों से साक्षर करते हैं अथवा साक्षरता की प्रेरणा देते हैं तो वह हमारा काम सब से बड़ा उपकार का काम होगा।

साक्षरता के क्षेत्र में हम जितना अधिक प्रयत्न करेंगे उसका प्रतिफल भी उतना ही अच्छा व सार्थक प्राप्त होगा। विशेषकर कन्या साक्षरता पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है। हम जितना प्रयास कन्या के साक्षरता के लिए कर सकें उतना करना ही चाहिए।

यदि कन्याएँ साक्षर होंगी तो समग्र समाज साक्षर हो पाएगा। कन्या दो परिवारों को साक्षर कर सकती है। पहला अपने माँ-बाप का परिवार दूसरा अपना परिवार। इसप्रकार पूरे समाज में साक्षरता का प्रसार हो सकेगा।

ऐसे कइ उदाहरण हैं जिनसे हमें निरक्षरता से होने वाले नुक्सानों का पता चलता है। कल्पना कीजिए आपको बस से यात्रा करना है और आप निरक्षर हैं तब आपकी कठिनाइ बहुत बढ़ जाएगी। आप अपनी अभीष्ट बस के लिए लोगों से पूछते फिरेंगे। हो सकता है उस पूछताछ में आपकी बस रवाना हो जाए और आप उसका पता लगाने में ही लगे रहें। तब आप पछताने के सिवा क्या कर पाएँगे? शायद तब आप को ऐसा लगे कि, निरक्षरता बहुत बड़ा अभिशाप है। आपका कहीं से पत्र आया है और आप उसे पढ़ नहीं पा रहे। जब तक कोई साक्षर नहीं मिल जाता तब तक आप पत्र का समाचार जानने के लिए व्याकुल रहेंगे। हो सकता है पत्र का समाचार बहुत तत्काल वाला हो। आप को उसका पता चले तब तक बहुत देर हो चुकी हो।

एक पहलवान का उदाहरण आप जान लें तो आपको पता चल जाएगा कि, निरक्षरता से बड़ा कोई अभिशाप नहीं हो सकता। एक बार एक पहलवान घोड़े पर बैठकर यात्रा कर रहा था। उसे एक कुश्ती मुकाबले में भाग लेना था। मार्ग में उसे एक कुँआ दिखा। उसे जोर से प्यास लगी थी। कुँए पर एक तख्ती लगी थी। जिस पर लिखा था --

"इस कुँए का पानी जहरीला है। पीना मना है।"

पहलवान पूरी तरह निरक्षर था। वह तख्ती पर लिखी सूचना नहीं पढ़ पाया। उसने कुँए से पानी निकालकर जी भर के पानी पी लिया।

पानी पीकर वह फिर से घोड़े पर बैठकर चल पड़ा। थोड़ी दूर जाने पर उसके पेट में भयंकर पीड़ा होने लगी। वह घोड़े से नीचे उतर कर धरती पर लेट गया। पीड़ा से उसकी हालत खराब होने लगी। संयोग से कुछ यात्री वहीं से गुजरे जिन्होंने उसकी दशा देखकर उसे पास के गाँव पहुँचाया। वहाँ एक हकीम (वैद्य) ने उसका उपचार कर उसके प्राण बचाए। वह मरते-मरते बचा। उसे कुश्ती के मुकाबले से भी वंचित होना पड़ा। अब आप समझ गए न, कि निरक्षरता मनुष्य के लिए कितना बड़ा अभिशाप है।

V. 'শিশুশ্রমের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ' কতটা প্রয়োজন সে বিষয়ে একটি অনুচ্ছেদ রচনা করুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में हिंदी के जो-सो रूप जैसे अन्योऽन्याश्रित वाक्यों का परिचय दिया गया है। ऐसे वाक्यों में दो उपवाक्य होते हैं। जिनमें से पहले प्रकार के उपवाक्यों में जो / जब / जहाँ आदि का प्रयोग होता है तथा दूसरों में वह / तब / वहाँ आदि का। नीचे ऐसे कुछ वाक्य दिए गए हैं।

(क) व्याक्तिवाचक

যে রান্না করে সে অন্য কাজও করে।
जो खाना पकाती है वह और भी काम करती है।

যারা এখানে এসেছিল তারা সবাই আমাদের পরিচিত।
जितने सब यहाँ आए थे उतने सब हमारे परिचित हैं।

(ख) वस्तुवाचक

যা চাইবেন তাই পাবেন।
जो चाहिए वही मिलेगा।

যেটা ওকে দিলাম সেটা ওর পছন্দ নয়।
जो उसको (मैंने) दिया वह उसे पसंद नहीं।

(ग) स्थानवाचक

যেখানে আপনি যাবেন সেখানে আমিও যাব।
जहाँ आप जाएँगे वहाँ मैं भी जाऊँगी।

যেখানকার কথা আপনি বলছেন সেখানকার কথা আমি আগে শুনিনি।
जिस जगह के बारे में आप कह रहे हैं उस जगह के बारे में मैंने पहले नहीं सुना है।

(ग) समयवाचक

যখন আপনি বাজারে যাবেন তখন আমিও যাব।
जब आप बाज़ार जाएँगे तब मैं भी जाऊँगी।

যতক্ষণ আপনার স্পচ্ছা ততক্ষণ এখানে থাকুন।
जितने समय आपका मन चाहे उतने समय आप यहाँ रहिए।

ध्यान रहे कि इस प्रकार के उपवाक्य विशेषण के रूप में भी प्रयुक्त होते हैं। जैसे :

যে লোকটা আজ আমার কাছে এসেছিল সে লোকটা ভাল গান জানে।
जो आदमी आज मेरे पास आया था, वह आदमी अच्छा गाना गाता है।